अंग्रेजी विभाग में तीन दिवसीय कार्यशाला

कार्यशाला में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. राजेश श्रीवास्तव

उद्घाटन- 26 -28 फरवरी तक अंग्रेजी विभाग द्वारा 'लिटरेशी क्रिटिसिज्म' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 26 फरवरी को कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर बतौर विषय विशेषज्ञ राजकीय महाविद्यालय, ढाणा, कुशीनगर के अंग्रेजी विभाग के उपाचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने प्रस्तुत की। द्वितीय सत्र में डॉ. श्रीवास्तव ने 'थियरी ऑफ न्यू क्रिटिसिज्म' विषय का व्यवहारिक रूप विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री दीप्ति चतुर्वेदी (बी.ए. भाग तीन) ने किया।

कार्यशाला में अपना विचार व्यक्त करता छात्र

कार्यशाला का दूसरा दिन- 27 फरवरी को कार्यशाला के दूसरे दिन प्रथम सत्र में विद्यार्थियों ने वर्कशीट पर प्रेक्टिकट क्रिटिसिज्म कराने का प्रयास किया गया। तत्पश्चात् डॉ. श्रीवास्तव ने 'मिथिकल क्रिटिसिज्म' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। द्वितीय सत्र में 'शिकागो क्रिटिसिज्म' विषय पर विचार प्रस्तुत करते हुए डॉ. श्रीवास्तव ने लेखन के उद्देश्य को रेखांकित किया। कार्यक्रम का संचालन आदित्य प्रताप सिंह (बी.ए. भाग तीन) ने किया।

कार्यशाला के समापन अवसर पर अपना विचार व्यक्त करती श्रीमती कविता मंध्यान

कार्यशाला का समापन- 28 फरवरी को कार्यशाला के तीसरे दिन प्रथम सत्र में डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने 'ह्यूमनिस्ट क्रिटिसिज्म' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। जबकि दूसरे सत्र में 'इण्डियन क्रिटिसिज्म' पर विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री कौशिकी चतुर्वेदी (बी.ए. भाग-तीन) ने किया। अन्त में अंग्रेजी विभाग की प्रभारी श्रीमती कविता मंध्यान ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।